

२२-१-२१

उपस्थित ३, २१/११/१९
पत्रावली मास २१/११/१९
दिनांक . ०८-११-२१

उपस्थित अधिकारी
श्रीमराना अलठर

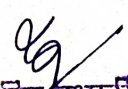
३०११-८१

काच मध पत्रावली प्रकाशन जानेसंग
आदिपाल माथली कलां पत्र पत्रावली
पत्रावली में कहीने निवेदन किया है कि
आवृत्त नं० ६६, ६७, १२०, १६६, ३६३, ५२३, ५३५
७०८, ७३६ वरुं आम आकलीक हुं करु
मीकं २२७-१६६६-३३३३ में हाल



संख्या

जमावती के पत्रों वाली का लक में
जहां " विमान पुत्र दुर्जन कांडी
है उसे वादी के माया कंड, कोट
पहुंचाए पत्र, पाठवाए रात्र कंड, सिर्फ
कि कंड माया दस्तावेजों के आधारे
पर उल्लेख विपरीत है उसे कोट
पर " विमानपाल पुत्र दुर्जन लाल
कांडी - विपरीत है हेतु ऐसा
विपरीत गणना है। हमने पत्रों के
वादी वकील के पुत्रा पत्रावली
पुस्तक दस्तावेजों का मानलोकन
विपरीत गणना वादी का कांड सीमा
विपरीत गणना है माया विपरीत गणना
है कि माया कंड 66, 67, 180, 165, 353, 599,
534, 708, 734 कांड का माया कंडी व पुत्र वही लाल
गोमटा विपरीत-अलवर (राज) में जहां फन-
विमान पुत्र दुर्जन कंड है उसे लकान
पर विमानपाल पुत्र दुर्जन लाल कंड करने
के माया विपरीत गणना है। वह प्रकार
वापस विपरीत में माया स्वयं कंड
के माया विपरीत गणना है। वही लकान
गोमटा के माया स्वयं हेतु अलवर
वादी है। पत्रावली के लकान पुत्रा
होकर गणना के कंड है कांड वही
वापस दस्तावेज है।


विपरीत गणना